गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

CBCS [चयन आधारित क्रेडिट पध्दति]

स्नातकोत्तर कला शाखा

M.A. (HINDI)

HINDI COURSE STRUCTURE 2017 – 18

SEMESTER I to IV

हिंदी साहित्य

डॉ. शैलेंद्रकुमार शुक्ल

अध्यक्ष

हिंदी अध्ययन मंडल

हिंदी पाठ्यक्रम समिति

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

पाठ्यक्रम की रुपरेखा

शैक्षणिक वर्ष : जून **2017** से

एम.ए.(हिंदी)

(80 : 20 पैटर्न)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की रचना विश्व विद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली की 'मॉडल पाठ्यचर्या' के अनुसार की गई है।

एम.ए.हिंदी प्रथम सत्र और द्वितीय सत्र के इस पाठ्यक्रम का अध्ययन व अध्यापन जून २०१६ से आरंभ होगा। एम.ए.हिंदी तृतीय सत्र और चतुर्थ सत्र के इस पाठ्यक्रम का अध्ययन व अध्यापन जून २०१७ से आरंभ होगा।

संपूर्ण पाठ्यक्रम का विभाजन चार सत्रों (दो वर्ष) के लिए होगा। विद्यार्थियों को निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रथम सत्र के लिए प्रश्नपत्र १ से ४ तक का और द्वितीय सत्र के लिए प्रश्नपत्र ५ ते ८ तक तृतीय सत्र के लिए प्रश्नपत्र ९ से १२ तक और चतुर्थ सत्र के लिए प्रश्नपत्र १३ से १६ का अध्ययन करना होगा।

प्रश्न पत्र ३,४,७,८,११,१२,१५,१६ वैकल्पिक स्तर के रहेंगे। इसमें से प्रश्नपत्र ३, ७ ,११ और प्रश्नपत्र १५ के अंतर्गत २—२ विकल्प रखे गए हैं। और प्रश्नपत्र ४, ८, १२, और १६ के अंतर्गत ३—३ विकल्प रखें गये है। **चारों सत्रों के अंतर्गत प्रश्नपत्र १—२, ५—६, ९—१० और १३—१४ का अध्ययन विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा।**

किसी विशेष विषय में विशेषता प्राप्त करने के लिए इसमें से प्रश्नपत्र ३, ७ ,११ और प्रश्नपत्र १५ के अंतर्गत २—२ विकल्प रखे गए हैं। और प्रश्नपत्र ४, ८, १२, और १६ के अंतर्गत ३—३ विकल्प रखें गये है। **विद्यार्थी अपने अध्ययन केन्द्र/महाविद्यालय में पढ़ाई जानेवाले विकल्पों में से किसी भी विकल्प का अध्ययन कर सकता है।**

एम.ए.(हिंदी) भाग : दो तृतीय सत्र

पाठ्यक्रम की रुपरेखा

सत्र : 2017- 2018 से (80 : 20 पैटर्न)

कुल : ६० तासिकाऍं (प्रत्येक इकाई के लिए १५ घंटे)

चारों प्रश्नपत्रों के लिए प्रथम सत्र में चार अंतर्गत परीक्षाऍं होगी। **(5+5+5+5)**	**20** अंक
सत्रांत परिक्षा (पांच प्रश्न)	**80** अंक
कुल	**100** अंक

सूचना :

१. एम.ए.(हिंदी) **तृतीय** सत्र – के प्रश्न पत्र में २० अंको का अर्न्तगत मूल्यांकन किया जायेगा और ८० अंको की अंतिम परीक्षा होगी।
(विद्यार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में अंर्तगत परीक्षा में कम से कम ०७ अंक और अंतिम परीक्षा में कम से कम २८ अंक कुल मिलाकर ३५ अंक उत्तीर्ण होने के लिए अनिवार्य है। अर्थात १०० में से ३५ अंक बाद में उनका रुपांतरण श्रेणी पध्दति में होगा।

२. इस सत्र में चार अंर्तगत परीक्षाऍं ली जायेगी वह एक–एक इकाई के अध्यापन के बाद होनी चाहिए। यह परीक्षाऍं 5+5+5+5 अंको की ली जायेगी। उसके लिए निम्न परीक्षा पध्दतियों में से किन्ही चार के **(विभाग प्रमुख एवं विषय शिक्षक के चयन के अनुसार)** आधार पर मूल्यांकन किया जाय :–

अ.क्र	परीक्षा	विषय
१	स्वाध्याय ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
२	मौखिक परीक्षा ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
३	प्रतियोगिता/स्पर्धा परीक्षा ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
४	विषय/संगोष्ठी/सेमिनार प्रस्तुतिकरण ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रस्तुतिकरण लिया जाना
५	लघु प्रकल्प/ अनुसंधान कार्य / प्रोजेक्ट ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर
६	लिखित परीक्षा ५ अंको के लिए	चारों इकाईयों पर
७	पुस्तक परीक्षण ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई के विषय पर
८	साहित्यिक पत्रिका/पुस्तक आकलन रस ग्रहण ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर
९	फिल्ड वर्क / अध्ययन यात्रा	किसी एक इकाई पर

एम.ए.(हिंदी) भाग : दो
पाठ्यक्रम की रुपरेखा
सत्र : **2017 - 2018** से (**80 : 20** पैटर्न)
तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र ९ :— प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

प्रश्नपत्र १० :— भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

प्रश्नपत्र ११ :— (क) विशेष अध्ययन : मुंशी प्रेमचंद
(ख) आधुनिक गद्य साहित्य
(नाटक, एकांकी)

प्रश्नपत्र १२ :— (क) नैतिक शिक्षा भाग १
(ख) हिंदी महिला गद्य लेखन एवं स्त्री विमर्श
(ग) हिंदी का लोक साहित्य

वैकल्पिक

एम.ए.(हिंदी) भाग : दो चतुर्थ सत्र
पाठ्यक्रम की रुपरेखा
सत्र : 2017 - 2018 से (80 : 20 पैटर्न)

कुल : ६० तासिकाएँ (प्रत्येक इकाई के लिए १५ घंटे)

चारों प्रश्नपत्रों के लिए प्रथम सत्र में चार अंतर्गत परीक्षाएँ होगी। **(5+5+5+5)** **20** अंक

सत्रांत परिक्षा (पांच प्रश्न) **80** अंक

कुल **100** अंक

सूचना :

१. एम.ए.(हिंदी) चतुर्थ सत्र – के प्रश्न पत्र में २० अंको का अन्र्तगत मूल्यांकन किया जायेगा और ८० अंको की अंतिम परीक्षा होगी।
(विद्यार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में अंर्तगत परीक्षा में कम से कम ०७ अंक और अंतिम परीक्षा में कम से कम २८ अंक कुल मिलाकर ३५ अंक उत्तीर्ण होने के लिए अनिवार्य है। अर्थात १०० में से ३५ अंक बाद में उनका रुपांतरण श्रेणी पध्दति में होगा।

२. इस सत्र में चार अंर्तगत परीक्षाएँ ली जायेगी वह एक–एक इकाई के अध्यापन के बाद होनी चाहिए। यह परीक्षाएँ 5+5+5+5 अंको की ली जायेगी। उसके लिए निम्न परीक्षा पध्दतियों में से किन्ही चार के **(विभाग प्रमुख एवं विषय शिक्षक के चयन के अनुसार)** आधार पर मूल्यांकन किया जाय :–

अ.क्र	परीक्षा	विषय
१	स्वाध्याय ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
२	मौखिक परीक्षा ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
३	प्रतियोगिता/स्पर्धा परीक्षा ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
४	विषय/संगोष्ठी/सेमिनार प्रस्तुतिकरण ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रस्तुतिकरण लिया जाना
५	लघु प्रकल्प/ अनुसंधान कार्य / प्रोजेक्ट ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर
६	लिखित परीक्षा ५ अंको के लिए	चारों इकाईयों पर
७	पुस्तक परीक्षण ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई के विषय पर
८	साहित्यिक पत्रिका/पुस्तक आकलन रस ग्रहण ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर
९	फिल्ड वर्क / अध्ययन यात्रा	किसी एक इकाई पर

एम.ए.(हिंदी) भाग : एक
पाठ्य

क्रम की रुपरेखा
सत्र : 2017 - 2018 से (80 : 20 पैटर्न)
चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र १३ :— प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

प्रश्नपत्र १४ :— भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

प्रश्नपत्र १५ :— (क) विशेष अध्ययन : मुंशी प्रेमचद
(ख) आधुनिक गद्य साहित्य
(संस्मरण और रेखाचित्र)

प्रश्नपत्र १६ :— (क) नैतिक शिक्षा भाग २
(ख) आधुनिक हिंदी आलोचना
(ग) भाषिक संप्रेषण : स्वरुप और सिध्दांत

वैकल्पिक

एम. ए. (हिन्दी) तृतीय सत्र
प्रश्न पत्र ९. कोर कोर्स
प्राचीन एव मध्यकालीन काव्य

उद्देश्य :–

छात्रों को –

१. हिंदी का आदिकालीन,भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृतियों की जानकारी देना ।

२. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना ।

३. पाठयकवियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढाना ।

४. दृतपाठ के माध्यम से कवियों का सक्षिप्त जीवन परिचय उनके रचनाकार उनके काव्य का वैशिष्टय उलकी रचनाओ का नामोल्लेख , प्रकाशनकाल की जानकारी प्रदान करना ।

अध्यापन पध्दति :–

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।

३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।

४) परिचर्चा।

५) अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

आदिकाल

खण्ड (क)

१) कबीर : संपादक डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी – आरंभ के २५ पद

खण्ड (ख)

२) सुरदास : भ्रमरगीसार – (गोपिका उध्दव संवाद)
संपादक – रामचंद्र शुक्ल

३) भूषण : भूषण ग्रंथावली – संपादक डा. विजयपाल सिंह
श्री शिवा बावनी छप्पय[२]१,कवित्त मनहरण २ से २० तक

खण्ड (ग)

४) बिहारी : सतसई भक्ति परक दोहे
१, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, १३, १४, १५, १८, २१, २४, २६, ३७, ४३, ४७

खण्ड (घ)

५) द्रुतपाठ – हेतु निम्नांकित उपन्यसकारों का संक्षिप्त जीवन – परिचय,विशेषताएॅ, रचनाओं को लेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन अपेक्षित है । इन पर लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगें ।

१ रसखान २ केशव ३ नामदेव ४ गुरुगोविंद सिंह
५ शेक्सपियर ६ घनानंद

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे　　　　　　　　　　　　　　　　कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं में से व्याख्या हेतु छः काव्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 अंक

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) कबीर की विचारधारा — डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
२) कबीर : साहित्य और साधना — सं. वासुदेव सिंह
३) कबीर का रहस्यवाद — डॉ. रामकुमार वर्मा
४) महाकवि जायसी और उनका काल — डॉ. इकबाल अहमद
५) जायसी का पद्मावत काव्य दर्शन — डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
६) सूर साहित्य —आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
७) भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य — मैनजर पांडेय
८) गोस्वामी तुलसीदास — आचार्य रामचंद्र शुक्ल
९) लोकवादी तुलसीदास — विश्वनाथ त्रिपाठी

१०) तुलसीदास और उनका युग — डॉ. राजपति दीक्षित
११) तुलसी दर्शन मीमांसा — डॉ. राजपति दीक्षित
१२) घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा — डॉ.मनोहरलाल गौड
१३) बिहारी का काव्य लालित्य — रामशंकर त्रिपाठी
१४) मुक्त काव्य परंपरा और बिहारी — डॉ. रामसागर त्रिपाठी
१५) शब्द निर्गुण संत काव्य दर्शन और भक्ति — डॉ.जीवन सिंह डॉ. कृष्णा रैना
१६) अमीर खुसरो — डॉ. हरदेव बाहरी
१७) खुसरो की हिंदी कविता — बजरत्न दास
१८) जायसी के पद्माव का मूल्यांकन — प्रो. हरेंदप्रताप सिन्हा
१९) महाकवि जायसी और उनका काव्य — डॉ. इकबाल अहमद
२०) मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य — डॉ.शिवसहाय पाठक
२१) जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन — डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
२२) पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन — डॉ. दृवारिकाप्रसाद सक्सेना
२३) पद्मावत का काव्य सौदर्य — डॉ. चंद्रबली पाण्डेय
२४) हिंदी के प्रतिनिधि कवि — डॉ. सुरेश अग्रवाल

एम.ए.(हिंदी) तृतीय सत्र
प्रश्न पत्र १० : कोर कार्स
(भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा)

उद्देश्य :

छात्रों को

१) भाषा विज्ञान के अंगो एवं विभिन्न शाखाओं का परिचय देना ।
२) भाषा विज्ञान के सैध्दांतिक पक्ष से अवगत कराना
३) भारतीय आर्यभाषाओं के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना ।
४) हिंदी के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरुप से परिचित कराना ।
५) हिंदी के शब्द भेदो के विकास क्रम का विवरण देना ।
६) हिंदी के विविध रुपों की जानकारी देना ।
७) साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट कराना ।
८) विकास के संदर्भ में देवनागरी लिपि की विशेष जानकारी देना ।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) पी.पी.टी/भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
५) अतिथि विशेषज्ञो के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ विषय :—

खण्ड क

भाषा और भाषा विज्ञान :—

भाषा की परिभाषा और स्वरुप , भाषा के अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा विज्ञान का स्वरुप और
व्याप्ति । भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ — वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक ।

भाषा विज्ञान की शाखाएँ —

कोश विज्ञान, व्युत्तपत्ति विज्ञान, लिपी विज्ञान,समाजभाषा विज्ञान

खण्ड ख

स्वन विज्ञान :—

स्वन विज्ञान का स्वरुप , स्वन विज्ञान की शाखाऍं — औच्चारिक तथा श्रौतिकी, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा, स्वनों का वर्गीकरण , स्वनगुणस्वनिक परिवर्तन ।

स्वनिम विज्ञान का स्वरुप , स्वनिम की परिभाषा, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण, स्वन और स्वनिम में अंतर

खण्ड ग

रुप विज्ञान :

रुप की परिभाषा स्वरुप , रुपिम का स्वरुप, रुपिम के भेद— संरचना की दृष्टि से — मुक्त, बद्‌ध, संपृक्त रुप, अर्थ की दृष्टि से — अर्थदर्शी (अर्थतत्व) संबंध दर्शी (संबंध तत्व)

वाक्य विज्ञान :वाक्य की परिभाषा और स्वरुप, वाक्य संबंधी सिध्दान्त — अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधान्वाद

वाक्य के अंग — उदेश्य, विधेय । वाक्य के निकटस्थ अवयव ।

वाक्य विश्लेषण — मूलवाक्य, रुपांतरितवाक्य, आंतरिक सरंचना और बाह्यसंरचना

खण्ड घ

अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा । शब्द और अर्थ का संबंध । अर्थ परिवर्तन की दिशाऍं और परिवर्तन के कारण । पर्यायता , विलोमता ।

भाषा विज्ञान और साहित्य — साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगो की उपयोगिता । हिंदी भाषा शिक्षण तथा शैली विज्ञान के विशेष संदर्भ में ।

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे   कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क'**, एवं **खण्ड 'ख'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

२. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड 'ग'**, एवं **खण्ड 'घ'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 अंक

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) भाषा विज्ञान — भोलानाथ तिवारी

२) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा — डॉ. शंकररामभाउ पजई, डॉ. सैयद समीर गुलाब, डॉ. शैलेंद्र कुमार शुक्ल

३) सामान्य भाषा विज्ञान, — बाबूराम सक्सेना

४) भाषा विज्ञान की भूमिका — देवेंद्रनाथ शर्मा

५) भाषा — विश्वनाथ प्रसाद

६) ब्रजभाषा — धीरेंद्र वर्मा

७) भाषा विज्ञान और हिंदी — नरेश मिश्र

८) हिंदी शब्दानुशासन — किशोरदास वाजपेयी

९) हिंदी भाषा का इतिहास — भोलानाथ तिवारी

१०) भाषा विज्ञान की भूमिका — देवेंद्रनाथ शर्मा

११) भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा — डॉ. सुधाकर कलावडे

१२)	सामान्य भाषा विज्ञान	—	बाबूराम सक्सेना
१३)	आधुनिक भाषा विज्ञान	—	डॉ. राजमणि शर्मा
१४)	ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	—	डॉ. रामविलास शर्मा
१५)	भारत की भाषा समस्या	—	राजकमल प्रकाशन
१६)	भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र	—	डॉ.कपिलदेव द्विवेदी आचार्य
१७)	हिंदी भाषा: कल और आज	—	डॉ. पूरनचंद टंडन एवं डॉ. मुकेश अग्रवाल

एम.ए.हिंदी तृतीय सत्र
प्रश्न पत्र ११ क (वैकल्पिक)
विशेष अध्ययन – मुंशी प्रेमचंद

उद्देश्य :

छात्रों को

१) उपन्यास विधा के तात्विक स्वरुप की जानकारी देना ।
२) उपन्यास तथा अन्य साहितिक विधा का तुलनात्मक परिचय देना ।
३) हिंदी उपन्यासों के विकासक्रम की जानकारी देना ।
४) हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृतियों से परिचित कराना
५) हिंदी उपन्यासों के तात्विक स्वरुप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में उपन्यासो के आस्वादन, अध्ययन एवं मुल्यांकन की क्षमता बढाना ।

अध्यापन पध्दति :–

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) द्रक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
५) परिचर्चा।
६) अतिथि विध्दानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

खण्ड क	कर्मभुमि – मुंशी प्रेमचंद
खण्ड ख	निर्मला – मुंशी प्रेमचंद
खण्ड ग	गोदान – मुंशी प्रेमचंद
खड घ	द्रुतपाठ – हेतु निम्नांकित उपन्यसकारों का संक्षिप्त जीवन – परिचय,विशेषताएॅ, रचनाओं को लेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन अपेक्षित है । इन पर लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगें । फणीश्वरनाथ रेणु, कृष्णा सोबती, उषा प्रियंवदा, इलाचंद्र जोशी, जयशंकर प्रसाद ।

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे — कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों में से व्याख्या हेतु छः गद्यांस दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 अंक

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) प्रेमचंद आज के संदर्भ में — गंगाप्रसाद विमल

२) प्रेमचंद और उनका युग — रामविलास शर्मा

३) प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा — शैलेश जैदी

४) प्रेमचंद : एक अध्ययन — राजेश्वर गुरु

५) प्रेमचंद अध्ययन की नई दिशाएँ — कमलकिशोर गोयनका

६) प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान — कमलकिशोर गोयनका

७) प्रेमचंद — जीवन और कृतित्व — हंसराज रहबर

८) प्रेमचंद की विरासत — राजेंद्र यादव

९) प्रेमचंद विरासत का सवाल — शिवकुमार मिश्र

१०) प्रेमचंद के आयाम — ए अरविंद दाक्षन
११) गोदान नया परिप्रेक्ष्य — गोपाल राय
१२) उपन्यासकार प्रेमचंद — सं. सुरेशचंद्र गुप्त,रमेशचंद्र गुप्त
१३) समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद — महेंद्र भटनागर
१४) आद्य बिंब और गोदान — कृष्ण मुरारी मिश्र

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र
प्रश्न पत्र ११ : ख (वैकल्पिक) :
आधुनिक गद्य साहित्य
(नाटक और एकांकी)

उद्देश्य :

छात्रो को

१) नाटक और रंग विधा से परिचय
२) नाटक, एकांकी और रंगमंच परंपरा का बोध
३) युगीन दृष्टि से नाटक और रंगमंच के मूल्यांकन एवं महत्व का आकलन
४) समाज, साहित्य और नाट्‌य के अंत : संबंधो की पहचान ।
५) हिंदी गद्य की प्रारंभिक विधा से परिचय
६) एकांकी के प्रभाव एवं महत्व का आकलन
७) हिंदी एकांकी और नाटक के संबंध में जानकारी
८) साहित्यिक विधाओं में एकांकी का महत्व बोध
९) एकांकी की सामाजिक प्रासंगिकता
१०) हिंदी एकांकी विधा का परिचय
११) नाटक और एकांकी के स्वरुप और विशेषताओं से परिचित कराना

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य साधनों / माध्यमों का प्रयोग।
४) विशेषज्ञों के व्याख्यान।
५) पी. पी. टी / भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
६) अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

अध्ययन के लिए उपन्यास / पाठ्‌यक्रम :

खण्ड (क)

१) अंधेर नगरी — भारतेंदु हरिश्चंद्र

२) अंधायुग — धर्मवीर भारती

खण्ड (ख)			
३)	**शिवाजी का सच्चा स्वरुप**	—	सेठ गोविंददास
	मम्मी ठकुराईन	—	लक्ष्मीनारायण लाल
	चारुमित्रा	—	रामकुमार वर्मा
	परदे के पीछे	—	उदयशंकर भट्‌ट
	बंदी	—	जगदीशचंद्र माथुर

खण्ड (ग)			
४)	**नाटक और रंगमंच**	—	स्वरुप और संरचना नाटक की भारतीय परपंरा हिंदी नाटक का विकास हिंदी रंगमंच का विकास हिंदी रंगमंच के विकास में अनुदित नाटकों की भूमिका रंगमंच की विभिन्न शैलियां

खण्ड (घ)			
५)	**हिंदी एकांकी**	—	स्वरुप और परिभाषा, तत्व एवं विशेषताऍ, एकांकी के भेद, हिंदी एकांकी उदभव और विकास

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे   कुल अंक : 80+20

सूचनाऍं :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत खण्ड 'क', और 'ख',** में निर्धारित नाटक एवं एकांकी में से व्याख्या हेतु छः गद्यांस दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 अंक

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) हिंदी उपन्यास: समकालीन विमर्श — सत्यदेव त्रिपाठी

२) हिंदी उपन्यास : सृजन और सिध्दांत — नरेंद्र कोहली

३) नये उपन्यासों में नये प्रयोग — दंगल झाल्टे

४) सामाजिक परिवर्तन में कथा साहित्य की भूमिका — डॉ. हीरालाला शर्मा एवं डॉ. महेंद्र

५) विविध विधाओं के प्रतिनिधी साहित्यकार — डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी विनोदिनी सिंह

६) हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक
अध्ययन — डॉ. बाबूराम

७) हिंदी रंगकर्म: दशा और दिशा — डॉ. जयदेव जनेजा

८) समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच — डॉ. जयदेव जनेजा

९) समसामयिक हिंदी नाटकां में खंडीत
व्यक्तितत्व अंकन — डॉ. टी. आर. पाटील

१०) आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगगधर्मिता— डॉ. सत्यवती त्रिपाठी

११) हिंदी नाटक: आज कल — डॉ. जयदेव जनेजा

१२) सातवें दशक के प्रतीकात्मक नाटक — रमेश गौतम

१३) युगबोध और हिंदी नाटक — डॉ.सरिता वशिष्ठ

१४) नव्य हिंदी नाटक — डॉ.सावित्री स्वरुप

१५) हिंदी के प्रतिनिधी निबंधकार — डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

१६) हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार— डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त

१७) हिंदी के प्रमुख निबंधकार: रचना और शिल्प— डॉ. गणेश खरे

१८) सात एकांकी — डा. सुर्यप्रसाद दीक्षित

१९) हिंदी एकांकी और एकांकीकार — डॉ. रामचरण महेंद्र

२०) हिंदी एकांकी शिल्प विधि का विकास— डॉ. सिध्दनाथ कुमार

२१) हिंदी एकांकी — डॉ. सत्येंद्र

एम. ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
प्रश्न पत्र (१२) क (वैकल्पिक)
नैतिक शिक्षा भाग १

उद्देश्य :—

१) छात्रों को नैतिक शिक्षा की प्रमुख प्रयुक्तियों और उत्कृष्ट जीवन के आधार शैलियों का परिचय देना।

२) छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान के प्रयोग विधि से अवगत कराना।

३) छात्रों को नैतिकता के विविध प्रकारों की जानकारी कराना।

४) छात्रों को नैतिक और बौध्दिक क्रांति से परिचित कराकर सामाजिक क्रांति के व्यावहारिक ज्ञान को आत्मसात कराना।

५) छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबध्दता की भावना विकसित करना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।

३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।

४) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा।

५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत अधिकारी विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

खण्ड (क)

१. सामाजिक कर्तव्य और व्यवहार

— कर्तव्य परायणता अपनाएँ
— असत्य व्यवहार से बचे
— हँसती और हँसाती जिंदगी
— समाज का हित करें
— नागरिक कर्तव्य पालन
— व्यक्तिगत स्वार्थ और सामाजिक सुव्यवस्था
— नवयुवकों मे सज्जनता और शालीनता

खण्ड (ख)

२. उत्कृष्ट जीवन के आधार :

— जीवन लक्ष्य समझें
— स्वाध्याय की अनिवार्यता
— स्वच्छता
— औचित्य की सराहना
— धन का अपव्यय नही सदुपयोग करें
— फॅशन परस्ती एक ओछापन
— तंबाकू का दुर्व्यसन छोडे

खण्ड (ग)

३. सफलता के सोपान :

— भाग्यवाद हमें नंपुसक और निर्जीव बनाता है
— बौध्दिक परावलंबन का परित्याग
— विचार शक्ति और अपना महत्व समझें
— आलस्य त्यागें और समय का सदुपयोग करें
— अवरोध से अधीर न हो
— आवेश ग्रस्त न हो
— छात्र अपना भविष्य निर्माण आप करें

खण्ड (घ)

४. परिवार व्यवस्था और संस्कार

— सुव्यवस्थित परिवार के लिए सुव्यवस्था
— संयुक्त परिवार प्रणाली श्रेयस्कर
— दांपत्य जीवन
— नियोजित परिवार और सुसंस्कृत संतान
— बालकों का भविष्य निर्माण और उन्हें स्वावलंबी बनाना
— त्यौहार और संस्कार की प्रेरणाप्रद प्रवृति
— जन्मदिवस और विवाह दिवस मनाएॅ

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे　　　　　　　　　　　　　　　　कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क'**, एवं **खण्ड 'ख'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

२. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड 'ग'**, एवं **खण्ड 'घ'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पॉचो के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 अंक

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१. शिक्षण प्रक्रिया में सर्वांपुर्ण परिवर्तन — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
२. प्रबंध व्यवस्था एक विभूति एक कौशल — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
३. छात्रो का निर्माण अध्यापक करें — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
४. छात्र वर्ग में नशे की दुष्प्रवृत्ति — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
५. नारी उत्थांन की समस्या और समाधान — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
६. व्यक्तित्व के परिष्कार में श्रध्दा ही समर्थ — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
७. जीवन लक्ष्य और उसकी प्राप्ति — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
८. वर्तमान चुनौतिया और युवा वर्ग — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
९. बच्चों को उत्तराधिकार में धन नही गुण दे — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१०. बच्चों को शिक्षा ही नही विद्या भी दे — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
११. दो घिनौने मुफ्तखोर और कामचोर — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१२. दहेज दानव से सामाजिक लडाई — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१३. राष्ट्र समर्थ और सशक्त कैसे बने — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१४. भारतीय संस्कृति एक जीवनदर्शन — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१५. समस्त विश्व को भारत के अजश्र अनुदान — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

एम. ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
प्रश्न पत्र (१२) ख (वैकल्पिक)
हिंदी महिला गद्य लेखन व स्त्री विमर्श

उद्देश्य :—
छात्रो कों

१) साहित्य के नये विमर्श का परिचय कराना
२) समाज की आधी आबादी की अभिव्यक्ति का बोध कराना
३) समाज में स्त्री स्थिति की जानकारी प्रदान कराना
४) स्त्री चिंतन के विविध पक्षों की विवेचना करना

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृकश्रव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।
४) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा।
५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हिंदी अधिकारी विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

खण्ड क

- समकालीन महिला कथालेखन और मैत्रेयी पुष्पा
- वर्तमान भारतीय ग्राम जीवन के परिप्रेक्ष्य में 'चाक'
- 'चाक' में राजनीतिक चेतना
- 'चाक' में नारी — चेतना
- 'चाक' स्त्री—पुरुष संबंध
- 'चाक' में लोक—संस्कृति

खण्ड ख

- हिंदी में आत्मकथा लेखन
- हिंदी महिला आत्मकथा लेखन और मन्नू भंडारी
- 'एक कहानी यह भी' : पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्ति
- 'एक कहानी यह भी' : में व्यक्त साहित्य — संसार

खण्ड ग	‘एक कहानी यह भी’	मन्नू भंडारी की जीवन यात्रा की साक्ष्य
	‘एक कहानी यह भी’	पत्नी रुप की त्रासदी
	‘एक कहानी यह भी’	पति और साहित्यकार के रुप में राजेंद्र यादव के अंतर्विरोध
	‘एक कहानी यह भी’	भाषा और प्रस्तुति

खण्ड घ	नारी आंदोलन	स्वरुप एंव विकास
	स्त्री विमर्श	अवधारणा और स्वरुप
	स्त्री विमर्श	परंपरा और विकास
		स्त्री विमर्श की विशेषताएँ
		स्त्री विमर्श का कला पक्ष

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे   कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क'**, एवं **खण्ड 'ख'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

२. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड 'ग'**, एवं **खण्ड 'घ'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पॉचो के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 अंक

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१	मैत्रेयी पुष्पा :स्त्री होने की कथा	—	डॉ. विजय बहादुर सिंह
२	मैत्रेयी पुष्पा के कथासाहित्य में स्त्री जीवन	—	शोभा यशवंते
३	मैत्रेयी पूष्पा : तथ्त और सत्य	—	सं. दया दीक्षित
४	हिंदी उपन्यास : समकालीन विमर्श	—	सत्यदेव त्रिपाठी
५	मन्नू भंडारी की कहानियों में आधुनिकता बोध	—	केवल राम
६	स्त्रीत्ववादी विमर्श: समाज और साहित्य	—	क्षमा शर्मा
७	स्त्रीत्ववादी : साहित्य विमर्श	—	जगदीश्वर चतुर्वेदी
८	स्त्री अस्मिता के सवाल	—	डॉ. प्रभा दीक्षित

९ हिंदी नारी : कार्यशीलता से साहित्य प्रवाह और स्त्री विमर्श — डॉ. रिचा शर्मा

१० स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प — रोहिणी अग्रवाल

एम. ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
प्रश्न पत्र (१२) ख (वैकल्पिक)
हिंदी का लोक साहित्य

उद्देश्य :—

छात्रो को —

१) लोकसाहित्य के स्वरुप तथा उसके अध्ययन के महत्व से परिचित कराना

२) लोक साहित्य की विविध विधाओं की जानकारी देना तथा लोक जीवन में उसकी व्यापकता समझाना

३) लोक साहित्य का महत्व समझाकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरित करना

४) महाराष्ट्र के लोक साहित्य से परिचित कराना

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।

३) दृकश्रव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।

४) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वियन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा।

५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हिंदी अधिकारी विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :—

खण्ड क

लोकसाहित्य परिभाषा और विशेषताएॅ, लोक साहित्य और लोकमानस : लोकसाहित्य का अर्थ और परिभाषाएॅ, लोक साहित्य के प्रमुख लक्षण तथा विशेषताएॅ, लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य में अंतर, लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का संबंध, लोक साहित्य का क्षेत्र, लोक साहित्य का वर्गीकरण ।

खण्ड ख

लोकगीत वर्गीकरण, परिभाषा — लक्षण

लोकगीत, लोकगीत के लक्षण, लोकगीत की परिभाषा, भारतीय लोकगीतों का इतिहास, लोकगीतों की विशेषताएॅ तथा शिष्ट और परिनिष्ठित गीतों से उनकी पृथकता (अंतर), लोकगीतों के प्रमुख तत्व, लोकगीतों का वर्गीकरण, विभिन्न विद्वानो द्वारा

लोकगीतों के किये गये वर्गीकरण :— पं. रामनरेश त्रिपाठी का वर्गीकरण, सुर्यकरण पारीक का वर्गीकरण, डॉ सत्येंन्द्र का वर्गीकरण, डॉ. कल्पदेव उपाध्याय का वर्गीकरण

खण्ड ग

लोककथा /लोकगाथा/लोकनाट्य

लोककथाओं की प्राचीनता और उनकी परंपरा, लोककथा की विशेषताएॅ, लोक कथा का वर्गीकरण, लोककथाओं के रचना संबंधी तत्व

लोकगाथा की परिभाषाएॅ, लोकगाथा की विशेषताएॅ, लोकगाथाओं के उत्पत्ति के सिध्दांत, लोकगाथाओं का वर्गीरण, लोकगाथाएॅ, ढोलामारु पर आधारित ढोला की कथा, गोपीचंद— भरथरी लोरिकायन, नलदमयंती, हिर—रांझा, सोहिनी—महिवाल आल्हा—हरदौल, लोरिका—चंदा

लोकनाट्य — परिभाषाएॅ और स्वरुप, विशेषताएॅ,

लोकनाट्यों का परिचय — रामलीला,रासलीला, कीर्तन, यक्षगान, नौटंकी, जत्रा,भवाई,विदेसिया,नाच,

महाराष्ट्र का लोकनाट्य — तमाशा, गोंधड, लावनी, पोतराज, वासुदेव भारुड, पोवाडा, किर्तन, सुंबरान

खण्ड घ

लोकसाहित्य के गौणरुप :— लोकोक्तियां, मुहावरें, पहेलियां, — लोकोक्ति, लोकोक्ति की परिभाषा, लोकोक्तियों का वर्गीकरण, मुहावरे परिभाषा, लोकोक्ति और मुहावरा में अंतर, मुहावरों के प्रकार, विशेषताएॅ

पहेलियॉ — पहेलियों की उत्पति, विकास और परंपरा, अर्थ गौरव की दृष्टि से पहेलियॉ, ढकोसले, पालने के गीत, बाल—गीत, खेल के गीत, अन्यगीत

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे　　　　　　　　　　　　　　　　　कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :—

१. निर्धारित पाठ्य विषय के चार खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ' होंगे।

२. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क'**, एवं **खण्ड 'ख'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड 'ग'**, एवं **खण्ड 'घ'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

५. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

६. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

७. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 अंक

संदर्भग्रंथ

१ भारतीय लोकसाहित्य — डॉ श्याम पवार

२ लोक साहित्य की भूमिका — डॉ कृष्णदेव उपाध्याय

३ लोक साहित्य : सिध्दांत और प्रयोग — डॉ श्रीराम शर्मा

४ लोक साहित्य के प्रतिमान — डॉ कुंदनलाल उप्रेति

५ खडीबोली का लोकसाहित्य — डॉ सत्यगुप्त

६ लोकसाहित्य का विज्ञान — डॉ सत्येंद्र

७ लोकवार्ता और लोकगीत — डॉ सत्येंद्र

८ लोक साहित्य का अध्ययन — डॉ त्रिलोचन पाण्डेय

९ लोकसाहित्य — प्राचार्य डॉ बापूराव देसाई

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र १३. कोर कोर्स
प्राचीन एव मध्यकालीन काव्य

उद्देश्य :—

१) हिंदी का आदिकालीन,भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृतियों की जानकारी देना ।
२) तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना ।
३) पाठयकवियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढाना ।
४) दृतपाठ के माध्यम से कवियों का सक्षिप्त जीवन परिचय उनके रचनाकार उनके काव्य का वैशिष्टय उलकी रचनाओ का नामोल्लेख , प्रकाशनकाल की जानकारी प्रदान करना

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) परिचर्चा।
५) अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :—

खण्ड क

१ जायसी : पद्मावत — संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(नागमती वियोगखंड, मानसरोदक खण्ड)

खण्ड ख

२ तुलसीदास : शबरी— संपा. नरेश मेहता
(लोकभारती प्रकाशन)कवि वाल्मिकी(तपस्या एंव परीक्षा)

खण्ड ग

३ केशवदास : रसिकप्रिया, १ से ३८ पद

४ रहीम : रहीमदोहावली

१,२,३,४,५,६,७,८,९,१०,११,१५,१६,१७,१८,१९,२०,२१,२२,२८,३२,३३,३४,३५,३६,३७,४३,४४,४८,४९,५०,५१

खण्ड घ

द्रुतपाठ : हेतु निम्नांकित उपन्यसकारों का संक्षिप्त जीवन — परिचय,विशेषताएँ, रचनाओं को लेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन अपेक्षित है । इन पर लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगें ।

१ अमीर खुसरो
२ चंदवरदाई
३ रैदास
४ ज्ञानेश्वर
५ दृष्यंत कुमार

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे — कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं में से व्याख्या हेतु छः काव्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

अंर्तगत मूल्यांकन 20

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) कबीर की विचारधारा — डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
२) कबीर : साहित्य और साधना — सं. वासुदेव सिंह
३) कबीर का रहस्यवाद — डॉ. रामकुमार वर्मा
४) महाकवि जायसी और उनका काल — डॉ. इकबाल अहमद
५) जायसी का पद्मावत काव्य दर्शन — डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
६) सूर साहित्य — आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
७) भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य — मैनजर पांडेय
८) गोस्वामी तुलसीदास — आचार्य रामचंद्र शुक्ल
९) लोकवादी तुलसीदास — विश्वनाथ त्रिपाठी

१०) तुलसीदास और उनका युग — डॉ. राजपति दीक्षित
११) तुलसी दर्शन मीमांसा — डॉ. राजपति दीक्षित
१२) घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा — डॉ.मनोहरलाल गौड
१३) बिहारी का काव्य लालित्य — रामशंकर त्रिपाठी
१४) मुक्त काव्य परंपरा और बिहारी — डॉ. रामसागर त्रिपाठी
१५) शब्द निर्गुण संत काव्य दर्शन और भक्ति — डॉ.जीवन सिंह डॉ. कृष्णा रैना
१६) अमीर खुसरो — डॉ. हरदेव बाहरी
१७) खुसरो की हिंदी कविता — बजरत्न दास
१८) जायसी के पद्‌माव का मूल्यांकन — प्रो. हरेंदप्रताप सिन्हा
१९) महाकवि जायसी और उनका काव्य — डॉ. इकबाल अहमद
२०) मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य — डॉ.शिवसहाय पाठक
२१) जायसी पद्‌मावत काव्य और दर्शन — डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
२२) पद्‌मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन — डॉ. दृवारिकाप्रसाद सक्सेना
२३) पद्‌मावत का काव्य सौदर्य — डॉ. चंद्रबली पाण्डेय
२४) हिंदी के प्रतिनिधि कवि — डॉ. सुरेश अग्रवाल

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र १४ कोर कोर्स
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

उद्देश्य :

छात्रों को

१) हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास तथा ऐतिहासिक पृष्ठिभुमि का परिचय देना ।

२) आधुनिक भारतीय आार्य भाषाएॅ और उनके वर्गीकरण से अवगत कराना

३) भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना

४) हिंदी बोलियों का वर्गीकरण तथा क्षेत्र से परिचित कराना ।

५) हिंदी का व्याकरणिक स्वरुप और विकास की जानकारी देना

६) लिपि विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना ।

७) हिंदी प्रचार एवं प्रसार के आंदोलन की जानकारी देना ।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।

३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।

४) परिचर्चा।

५) अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :—

खण्ड क

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठिभूमि प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएॅ

—वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत एवं उनकी विशेषताएॅ ।

मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएॅ — पालि, प्राकृत शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी,अप्रभ्रंश एवं उनकी विशेषताएं

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएॅ और उनका वर्गीकरण ।

खण्ड ख

हिंदी का भौगोलिक विस्तार :—

हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी ,
राजस्थानी पहाडी हिंदी और उनकी बोलियां खडी बोली,
व्रज और अवधी की विशेषताएँ

खण्ड ग

हिंदी का भाषिक स्वरुप :

हिंदी की स्वनीम व्यवस्था, खंडय, खंडयेत्तर
हिंदी शब्दरचना — उपसर्ग, प्रत्यय समास ।
रुपरचना — लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में
हिंदी के संज्ञा,सर्वनाम,विशेषण और क्रियारुप
हिंदी वाक्य रचना :— पदक्रम और अन्विती ।

खण्ड घ

हिंदी के विविध रुप :—

संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा के रुप में हिंदी, माध्यम भाषा,
संचार भाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति
हिंदी मे कप्युटर सुविधाएँ — आकडा संसाधन और शब्द संसाधन
वर्तनी शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा शिक्षण,
देवनागरी लिपी विशेषताएँ और मानकीकरण हिंदी
वर्तनी व्यवस्था देवनागरी में लिप्यंतरण

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे   कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क'**, एवं **खण्ड 'ख'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

२. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड 'ग'**, एवं **खण्ड 'घ'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 अंक

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) भाषा विज्ञान — भोलानाथ तिवारी

२) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा — डॉ. शंकररामभाउ पजई, डॉ. सैयद समीर गुलाब, डॉ. शैलेंद्र कुमार शुक्ल

३) सामान्य भाषा विज्ञान, — बाबूराम सक्सेना

४) भाषा विज्ञान की भूमिका — देवेंद्रनाथ शर्मा

५) भाषा — विश्वनाथ प्रसाद

६) ब्रजभाषा — धीरेंद्र वर्मा

७) भाषा विज्ञान और हिंदी — नरेश मिश्र

८) हिंदी शब्दानुशासन — किशोरदास वाजपेयी

९) हिंदी भाषा का इतिहास — भोलानाथ तिवारी

१०) भाषा विज्ञान की भूमिका — देवेंद्रनाथ शर्मा

११)	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	—	डॉ. सुधाकर कलावडे
१२)	सामान्य भाषा विज्ञान	—	बाबूराम सक्सेना
१३)	आधुनिक भाषा विज्ञान	—	डॉ. राजमणि शर्मा
१४)	ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	—	डॉ. रामविलास शर्मा
१५)	भारत की भाषा समस्या	—	राजकमल प्रकाशन
१६)	भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र	—	डॉ.कपिलदेव द्विवेदी आचार्य
१७)	हिंदी भाषा: कल और आज	—	डॉ. पूरनचंद टंडन एवं डॉ. मुकेश अग्रवाल

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र १५ क — वैकल्पिक
विशेष अध्ययन — मुंशी प्रेमचंद

उद्देश्य :

छात्रों को

१) उपन्यास विधा के तात्विक स्वरुप की जानकारी देना ।
२) उपन्यास तथा अन्य साहितिक विधा का तुलनात्मक परिचय देना।
३) हिंदी उपन्यासों के विकासक्रम की जानकारी देना ।
४) हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृतियों से परिचित कराना
५) हिंदी उपन्यासों के तात्विक स्वरुप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में उपन्यासो के आस्वादन, अध्ययन एवं मुल्यांकन की क्षमता बढाना ।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) द्रक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
५) परिचर्चा।
६) अतिथि विध्दानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

खण्ड क	**सेवासदन** — मुंशी प्रेमचंद
खण्ड ख	**रंगभूमि** — मुंशी प्रेमचंद
खण्ड ग	**गबन** — मुंशी प्रेमचंद
खड घ	**द्रुतपाठ** — हेतु निम्ननांकित उपन्यसकारों का संक्षिप्त जीवन — परिचय,विशेषताएॅ, रचनाओं के लेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन अपेक्षित है । इन पर लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगें । **नागार्जुन, वृन्दावनलाल वर्मा, कमलेश्वर, भीष्मसाहनी, अल्का सरावगी ।**

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे   कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों में से व्याख्या हेतु छः गद्यांस दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 अंक

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) प्रेमचंद आज के संदर्भ में — गंगाप्रसाद विमल
२) प्रेमचंद और उनका युग — रामविलास शर्मा
३) प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा — शैलेश जैदी
४) प्रेमचंद : एक अध्ययन — राजेश्वर गुरु
५) प्रेमचंद अध्ययन की नई दिशाएँ — कमलकिशोर गोयनका
६) प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान — कमलकिशोर गोयनका
७) प्रेमचंद — जीवन और कृतित्व — हंसराज रहबर
८) प्रेमचंद की विरासत — राजेंद्र यादव
९) प्रेमचंद विरासत का सवाल — शिवकुमार मिश्र

१०) प्रेमचंद के आयाम	—	ए अरविंददाक्षन
११) गोदान नया परिप्रेक्ष्य	—	गोपाल राय
१२) उपन्यासकार प्रेमचंद	—	सं. सुरेशचंद्र गुप्त,रमेशचंद्र गुप्त
१३) समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद	—	महेंद्र भटनागर
१४) आद्य बिंब और गोदान	—	कृष्ण मुरारी मिश्र

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र १५ ख – वैकल्पिक
आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (संस्मरण ,रेखाचित्र ,साक्षात्कार)

उद्देश्य :
छात्रो को

१) हिंदी की अन्य गद्य विधाओ का परिचय
२) हिंदी की विवेच्य गद्य विधाओ में वैयक्तिक स्पर्श
३) हिंदी गद्य के आर्विभाव के प्रधान कारणों, परिस्थितियो का परिचय देना
४) विषयवस्तु, भाषाशैली, शिल्प, विचारधारा, प्रभावग्रहण आदि के परिप्रेक्ष्य में प्रवृतियों को समझाते हुए हिंदी की प्रमुख गद्य विधाओ के विकास क्रम से परिचित कराना तथा प्रमुख गद्यकारों का परिचय देना ।

अध्यापन पध्दति :–

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य साधनों / माध्यमों का प्रयोग।
४) विशेषज्ञों के व्याख्यान।
५) पी. पी. टी / भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
६) अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम :

खण्ड क	**हिंदी गद्य का परिचय गद्य विधाओं का स्वरुप और विकास प्रमुख रचनाएँ एवं रचनाकार ।**
खण्ड ख	**संस्मरण : महादेवी वर्मा** – पथ के साथी
खण्ड ग	**रेखाचित्र : रामवृक्ष वेनिपूरी** – माटी की मूरते
खण्ड घ	**साक्षात्कार : डॉ. रामविलास शर्मा** – मेरे साक्षात्कार

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे | कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क',** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

२. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड 'ख',** ' से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

३. **प्रश्न क्रमांक तीन खण्ड 'ग',** ' से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में संपूर्ण **पाठ्यक्रम** से सात प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमें से पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। 5 x 3 = 15

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** 'अ' तथा 'ब' दो भागों में विभक्त किया गया हैं।
(अ) 'अ' विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10
(ब) 'ब' विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

६.अंर्तगत मूल्यांकन 20 अंक

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) हिंदी उपन्यास: समकालीन विमर्श — सत्यदेव त्रिपाठी
२) हिंदी उपन्यास : सृजन और सिध्दांत — नरेंद्र कोहली
३) नये उपन्यासों में नये प्रयोग — दंगल झाल्टे

४) सामाजिक परिवर्तन में कथा साहित्य की भूमिका — डॉ. हीरालाला शर्मा एवं डॉ. महेंद्र
५) विविध विधाओं के प्रतिनिधी साहित्यकार — डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
विनोदिनी सिंह
६) हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन — डॉ. बाबूराम
७) हिंदी रंगकर्म: दशा और दिशा — डॉ. जयदेव जनेजा
८) समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच — डॉ. जयदेव जनेजा
९) समसामयिक हिंदी नाटकां में खंडीत व्यक्तितत्व अंकन — डॉ. टी. आर. पाटील
१०) आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगगधर्मिता— डॉ. सत्यवती त्रिपाठी
११) हिंदी नाटक: आज कल — डॉ. जयदेव जनेजा
१२) सातवें दशक के प्रतीकात्मक नाटक — रमेश गौतम
१३) युगबोध और हिंदी नाटक — डॉ.सरिता वशिष्ठ
१४) नव्य हिंदी नाटक — डॉ.सावित्री स्वरुप
१५) हिंदी के प्रतिनिधी निबंधकार — डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
१६) हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार— डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त
१७) हिंदी के प्रमुख निबंधकार: रचना और शिल्प— डॉ. गणेश खरे
१८) सात एकांकी — डा. सुर्यप्रसाद दीक्षित
१९) हिंदी एकांकी और एकांकीकार — डॉ. रामचरण महेंद्र
२०) हिंदी एकांकी शिल्प विधि का विकास— डॉ. सिध्दनाथ कुमार

एम. ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र
एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र १६ क — वैकल्पिक

नैतिक शिक्षा भाग २

उद्देश्य :

१) छात्रों को नैतिक शिक्षा की प्रमुख प्रयुक्तियों और उत्कृष्ट जीवन के आधार शैलियों का परिचय देना।
२) छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान के प्रयोग विधि से अवगत कराना।
३) छात्रों को नैतिकता के विविध प्रकारों की जानकारी कराना।
४) छात्रों को नैतिक और बौध्दिक क्रांति से परिचित कराकर सामाजिक क्रांति के व्यावहारिक ज्ञान को आत्मसात कराना।
५) छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबध्दता की भावना विकसित करना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक भाव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
५) परिचर्चा।
६) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

खण्ड क

प्रगतिशील समाज व्यवस्था

१ अधिकार गौण और कर्तव्य प्रधान
२ उदार सहकारिता
३ अध्यापक का गौरव और उत्तरदायित्व
४ व्यायाम और स्वास्थ शिक्षा
५ उच्च शिक्षित कन्या की विवाह समस्या
६ आदर्श विवाह बिना फिजूलखर्ची
७ भिक्षावृत्ति की समाप्ति

खण्ड ख

राष्ट्रहित और राष्ट्र निर्माण

१ देशभक्त नवनिर्माण मे जुडे
२ श्रम सम्मान एवं गृहउद्योगों की आवश्यकता
३ ऊंच—नीच मान्यता का अन्याय
४ वोटरों की सर्तकता
५ नारी उत्कर्ष हेतु प्रबुध्द नारी आगे आए
६ अन्न संकट की चुनौती का सामना
७ वृक्षारोपण ओर हरीतिमा संवर्धन

खण्ड ग

धर्म और संस्कृति

१ आस्तिकता और उपासना
२ देववाद और पूजा अर्चा
३ धर्मतंत्र को प्रगतिशील बनाएॅ
४ मंदिर से आस्तिकता ओर सत्प्रवृतियां जगे
५ साधू ब्राम्हण समाज का कर्तव्य और दायित्व
६ प्राणियों के प्रति दया
७ गौ संरक्षण की आवश्यकता

खण्ड घ

आध्यात्मिक जीवन

१ कर्मफल का भोग अनिवार्य
२ दुषकर्मो के दंड और प्रायश्चित
३ ज्ञानयोग, कर्मयोग, भक्तियोग की साधना
४ आध्यात्मिक जीवन के पांच कदम

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे   कुल अंक : 80+20

सूचनाऍं :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड ‘क’**, एवं **खण्ड ‘ख’** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

२. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड ‘ग’**, एवं **खण्ड ‘घ’** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्ही पॉच के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10

६. **अंतर्गत मूल्यांकन** 20 अंक

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१. शिक्षण प्रक्रिया में सर्वांपुर्ण परिवर्तन	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
२. प्रबंध व्यवस्था एक विभूति एक कौशल	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
३. छात्रो का निर्माण अध्यापक करें	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
४. छात्र वर्ग में नशे की दुष्प्रवृत्ति	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
५. नारी उत्थांन की समस्या और समाधान	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
६. व्यक्तित्व के परिष्कार में श्रध्दा ही समर्थ	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
७. जीवन लक्ष्य और उसकी प्राप्ति	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
८. वर्तमान चुनौतिया और युवा वर्ग	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
९. बच्चों को उत्तराधिकार में धन नही गुण दे	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१०. बच्चों को शिक्षा ही नही विद्या भी दे	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
११. दो घिनौने मुफ्तखोर और कामचोर	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१२. दहेज दानव से सामाजिक लडाई	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१३. राष्ट्र समर्थ और सशक्त कैसे बने	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१४. भारतीय संस्कृति एक जीवनदर्शन	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१५. समस्त विश्व को भारत के अजश्र अनुदान	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र १६ ख — वैकल्पिक
आधुनिक हिंदी आलोचना

उद्देश्य :

छात्रों को :—

१) आलोचना के स्वरुप से परिचित कराना
२) हिंदी आलोचना के विकास का परिचय देना
३) हिंदी मे प्रमुख आलोचकों की आलोचना पध्दतियों से अवगत कराना
४) हिंदी आलोचकों के प्रदेह से परिचित कराना
५) छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित कराना
६) रचनाकार आलोचकों की आलोचना दृष्टि का परिचय
७) आलोचना की विविध प्रकृतियों का परिचय देना

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
५) परिचर्चा।
६) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

खण्ड क

१. आलोचना : स्वरुप, उद्देश्य, आलोचना की प्रक्रिया
२. आलोचना और अनुसंधान, आलोचक के गुण
३. हिंदी आलोचना का विकास क्रम, हिंदी आलोचना के आचार्य महावीर प्रसाद द्विवदीजी का योगदान

खण्ड ख

१ आचार्य रामचंद्र शुक्ल आलोचना पध्दति : स्वरुप और विशेषता, हिंदी आलोचना में उनका योगदान
२. डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना पध्दति : स्वरुप और विशेषताएे, हिंदी आलोचना में उनका योगदान.
३. डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पध्दति : स्वरुप और विशेषताएॅ हिंदी आलोचना में उनका योगदान

खण्ड ग

१.डॉ. नंद दुलारे वाजपेयी की आलोचना पध्दति : स्वरुप और विशेषता, हिंदी आलोचना में उनका योगदान

२. डॉ. नगेद्र की आलोचना पध्दति : स्वरुप और विशेषता, हिंदी आलोचना में उनका योगदान

खण्ड घ

१. डॉ. नामवर सिंह की आलोचना पध्दति : स्वरुप और विशेषता, हिंदी आलोचना में उनका योगदान

२. समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ : विडम्बना (आयरनी) अजनबीपन(एलियनेशन),विसंगति(एब्सर्ड) अंर्तविरोध (पैराडाक्स) विखंडन(डिकन्स्ट्रक्शन)

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे   कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड ‘क’**, एवं **खण्ड ‘ख’** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

२. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड ‘ग’**, एवं **खण्ड ‘घ’** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्ही पॉच के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10

६. **अंतर्गत मूल्यांकन** 20 अंक

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१ हिंदी आलोचना : स्वरुप और प्रक्रिया — आनंदप्रकाश दिक्षित

२ आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिध्दांत — डॉ. रामलाल सिंह

३ आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना — डॉ. रामविलास शर्मा

४ आचार्य हजारी पसाद्र द्विवेदी : व्यक्तित्व और साहित्य — डॉ गणपतीचंद्र गुप्त

५ आचार्य नंददुलारी वाजपेयी : व्यतितत्व और साहित्य — डॉ रामाधार शर्मा

६ हिंदी आलोचना का इतिहास — डॉ रामदरश मिश्र

७ हिंदी आलोचना उदभव और विकास — भगवत स्वरुप मिश्र

८ हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ — डॉ रामेश्वर खंडेलवाल

९ हिंदी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल — डॉ शिवकुमार मिश्र

१० आचार्य हजारी पसाद्र द्विवेदी — विश्वनाथ तिवारी

११ डॉ नगेंद्र के आलोचना सिध्दांत — नारायण प्रसाद चौबे

१२ पाश्चात्य काव्यशास्त्र के अधुनातन संदर्भ — डॉ. सत्यदेव मिश्र

१३ आलोचना और आलोचना — देवी शंकर अवस्थी

१४ संरचनावाद और उत्तर संरचनावाद
एवं पाश्चात्यकाव्य शास्त्र — डॉ गोपीचंद नारंग

१५ आधुनिक हिंदी आलोचना की वीजशब्द — बच्चन सिंह

१६ समीक्षा शास्त्र के सिंध्दात — डॉ श्यामसुंदर दास

१७ आलोचना की आलोचना — डॉ मनोज पाण्डेय

१८ काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन — डॉ शैलेंद्र कुमार शुक्ल

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र १६ ग — वैकल्पिक
भाषिक संप्रेषण : स्वरुप और सिध्दांत

उद्देश्य :

छात्रों को :—

१) भाषा संप्रेषण के संदर्भ में आवश्यक तत्थ्यो से अवगत कराना
२) भाषिक संप्रेषण प्रक्रिया के स्वरुप एवं सिध्दातों की जानकारी देना
३) भाषिक संप्रेषण का स्वरुप एवं उपाय योजना की जानकारी देना
४) भाषा संप्रेषण के विविध आयामों से परिचित कराना
५) शिक्षा और रोजगार में संप्रेषण कला से संबंध स्थापित कराना
६) व्यक्तित्व विकास में सहायक भाषिक व्यवहार की जानकारी प्रदान कराना

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
५) परिचर्चा।
६) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

खण्ड क

भाषा और संप्रेषण

१ संप्रेषण का अर्थ एवं स्वरुप
२ संप्रेषण की अवधारणा और महत्व
३ संप्रेषण के विभिन्न मॉडल
४ संप्रेषण का भाषिक पक्ष
५ संप्रेषण की चुनौतियॉ

खण्ड ख

संप्रेषण कला

१ भाषायी दक्षता
२ आंगिक भाषा
३ संप्रेषण के प्रकार — मौखिक और लिखित, वैयक्तिक और सामाजिक, व्यावसायिक और भ्रामक संप्रेषण

खण्ड ग

संप्रेषण के विविध पक्ष

१. संप्रेषण का तकनीकी पक्ष
२. संप्रेषण का सामाजिक पक्ष
३. संप्रेषण के माध्यम —एकालाप, संवाद,सामुहिक चर्चा,प्रभावी संप्रेषण

खण्ड घ

संप्रेषण कौशल

१. भाषा , शिक्षा और रोजगार : संप्रेषण
२. आवश्यकता एवं महत्व
३. विश्लेषण और व्यवस्था
४. गहन अध्ययन
५. अनुवाद

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे | कुल अंक : 80+20

सूचनाऍं :—

१. निर्धारित पाठ्य विषय के चार खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ' होंगे।

२. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क'**, एवं **खण्ड 'ख'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड 'ग'**, एवं **खण्ड 'घ'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

५. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

६. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

७. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 अंक

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१ मानव संसाधन के रुप मे भाषा की उपादेयता — डॉ रामकिशोर शर्मा

२ व्यक्तित्व विकास मे सहायक भाषिक व्यवहार एंव प्रबंधन जागरुकता — डॉ यज्ञप्रसाद तिवारी, डॉ वीणा दाढे

३ संप्रेषण परक व्याकरण — सिध्दांत और स्वरुप — रवीद्रनाथ श्रीवास्तव

४ प्रयोग और प्रयोग — वी आर जगन्नाथ

५ भाषायी अस्मिता और हिंदी — रवी श्रीवास्तव

६ रचना का सरोकार — विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

७ भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका — विद्यानिवास मिश्र

८ हिंदी का सामाजिक संदर्भ — रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

९ संप्रेषण परक व्याकरण : सिध्दांत और स्वरुप — सुरेश कुमार

१० कुछ पुर्वाग्रह — अशोक वाजपेयी